# ४ सामाजिक नेतृत्व

एक की सामर्थ्य

66QBE2

**उद्देश्य :**

(१) सामाजिक बदलाव लाने का महत्त्व और उस बदलाव के मार्ग अपने शब्दों में बताने आना।

(२) सामाजिक बदलाव निर्माण करने के लिए आत्मविश्वासपूर्ण कदम उठाना।

(३) जीवनशैली में बदलाव लाकर सामाजिक बदलाव के लिए सही दिशा में पहला कदम उठाना।

(४) सामाजिक समस्याओं को पहचानना, उन्हें सुलझाने की दृष्टि से योजना बनाना और प्रत्यक्ष रूप से उसे सुलझाने के लिए क्रियाशील होना ।

## १.सामाजिक जाल

**चलो, खेल खेलें :**

दस चिट्ठियाँ तैयार करें। हर चिट्ठी पर एक-एक शब्द लिखना है। जैसे-मुनष्य, नदियाँ, हवा, पक्षी, प्रदूषण, प्लास्टिक, प्राणी, पानी, पेड़ और मिट्टी। दस विद्यार्थियों में एक-एक चिट्ठी बाँटें। विद्यार्थियों को वृत्ताकार खड़ा करें । एक धागे की रील लेकर उसे एक विद्यार्थी के पास दे दें।

- दस विद्यार्थियों को हाथ में चिट्ठी लेकर वृत्ताकार में खड़ा करें। एक विद्यार्थी के हाथ में धागे की रील है।
- जिस लड़के के हाथ में धागे की रील है वह एक छोर पकड़ कर खेल की शुरुआत करेगा।
- धागे की रील दूसरे विद्यार्थी को देकर उसके हाथ की चिट्ठी में कौन-सा शब्द है, यह पूछें।
- वह शब्द सुनकर पहला विद्यार्थी उसकी चिट्ठी का शब्द और दूसरे विद्यार्थी के चिट्ठी का शब्द जोड़कर एक वाक्य बनाएगा। जैसे पहला शब्द पंछी, दूसरे विद्यार्थी का शब्द पेड़, तो विधान होगा, 'पंछी पेड़ पर घोंसला बनाते हैं' अथवा प्रदूषण से (पहला शब्द) नदी का (दूसरा शब्द) पानी अशुद्ध होता है। इस प्रकार पहले तथा दूसरे लड़के के हाथ के धागे से और शब्द से जाल बनाया जाता है।
- अब दूसरे लड़के/लड़की के हाथ का रील तीसरे विद्यार्थी को दें। (वह खुद के धागे का छोर पकड़कर रखेगा) दूसरा लड़का/लड़की खुद के अथवा तीसरे लड़के के चिट्ठी के शब्द से वाक्य बनाएगा ।
- इसी प्रकार तीसरे से चौथे लड़के/लड़की के पास धागा देते हुए और संयुक्ताक्षर विधान तैयार करते हुए दसवें लड़के तक खेल जारी रखना।

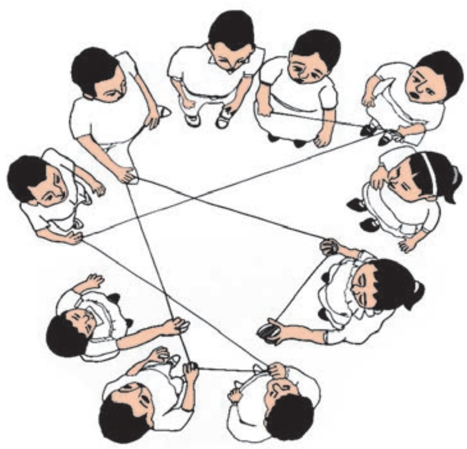

- इस खेल में पिछले पृष्ठ पर दिए चित्र में दिखाए अनुसार लड़कों के हाथ के धागे का जाल बनाया जाएगा।
- इस जाल के धागे पर कहीं भी चुटकी अथवा थपकी देकर देखें और अनुभव ले लें।

***ध्यान में लेने योग्य बातें***

- *विद्‌यार्थी हाथ के धागे के जाल पर कहीं भी चुटकी, थपकी मारे तो सब बच्चों को धागे के कंपन का अनुभव होगा । इससे स्पष्ट होगा कि परिवेश की प्रकृति की हर एक बात एक-दूसरे के साथ जुड़ी हुई है । एक घटक का परिणाम दूसरे घटक पर होता है।*
- *इसी प्रकार सभी मनुष्य परस्परावलंबी होते हैं। उदा. शहर के लोग अनाज के लिए देहात के लोगों पर निर्भर होते हैं । शहर के अनेक कारखानों का आवश्यक कच्चा माल ग्रामीण क्षेत्र की खदानो से ही आता है अर्थात एक-दूसरे की समस्याएँ एक-दूसरे पर परिणाम कर सकती हैं।*

## २. परस्परावलंबन

**निम्नांकित बातों का आप पर कौन-सा असर होगा ? इस बारे में विचार करें।**

(१) सवारियों के अतिरिक्त उपयोग से वैश्विक तापमान में बढ़ोत्तरी हुई है।

हर घटना के बारे में चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित करें। क्या प्रश्न विद्‌यार्थियों के भी हैं? यह विद्‌यार्थियों से पूछें।

(२) प्लास्टिक के कचरे का सही निबटारा न होने के कारण वह प्लास्टिक जमीन में ही जम जाता है। इससे जमीन बंजर हो जाती है।

(३) देहात में तथा दुर्गम इलाकों में जीवनावश्यक साधनों की कमी और अकाल के कारण देहात के निवासी खेती का काम छोड़कर नौकरी की तलाश में शहर में स्थलांतरित होते हैं ।

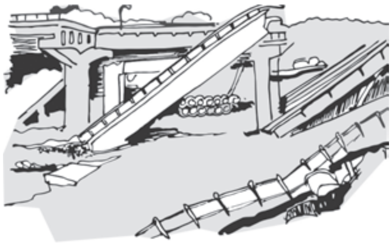

(४) कभी-कभी सड़के बनाना, बाँध, विद्‌यालय बनाना, इस प्रकार के सार्वजनिक कामों में ज्यादा समय लगता है और काम भी निकृष्ट दर्जे का होता है।

***ध्यान देने योग्य बातें:***

- *देश तथा दुनिया के किसी एक इलाके की समस्या का परिणाम, समस्या की शृंखला शुरू करता है। अंत में उस समस्या का परिणाम प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप में सभी पर होता है ।*
- *अपने इलाके की यह समस्याएँ किसी अन्य व्यक्ति की हैं, यह सोचकर उसे नजर अंदाज नहीं कर सकते । कुछ समय बाद हमें भी उसके परिणाम भुगतने पड़ते हैं ।*
- *सार्वजनिक समस्याओं को सुलझाने का प्रयास करना चाहिए। किसी एक इनसान की कल्पना तथा कृति भी परिस्थिति में बदलाव ला सकती है।*

## ३. सामाजिक बदलाव लाने के विविध मार्ग

सामाजिक बदलाव के लिए व्यक्ति अनेक प्रकार से प्रयत्न कर सकता है । उदाहरण के रूप में नीचे कुछ प्रकार दिए हैं। इस प्रकार आपके इलाके में कार्य करने वाली अलग-अलग संस्थाएँ, व्यक्तियों की जानकारी लें।

### अ. समाजसेवा (सामाजिक कार्य)

किसी समाज अथवा समूह को अत्यावश्यक सेवा नहीं मिल रही है, उसे उपलब्ध करा देना यह सामाजिक परिवर्तन का एक मार्ग है। उदा. जब समाज कुष्ठरोगियों का बहिष्कार कर रहा था तब बाबा आमटे जी ने इन कुष्ठरोगियों का इलाज करके उनकी सेवा की ।

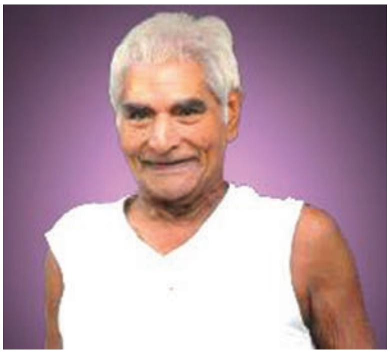

### ब. मूलभूत सुविधा निर्माण करना

किसी सामाजिक समस्या पर दीर्घकालीन उपाययोजना करने के लिए छोटी-छोटी कल्पनाएँ, योजनाएँ शुरू करना यह भी एक सामाजिक बदलाव का मार्ग है। उदा. पानी का तीव्र अभाव होने वाले राजस्थान में डॉ. राजेंद्र सिंह ने जनता की सहायता से ४,५०० 'जोहड़' (छोटे तालाब)बाँधें। उनकी इस योजना से राजस्थान के भूजल का स्तर बढ़ गया।

### क. अनुसंधान

समस्या को जड़ से उखाड़ने के लिए अनुसंधान करके नया पर्याय ढूँढ़ निकालना सामाजिक बदलाव का एक प्रभावी मार्ग है। उदा. महाराष्ट्र के गडचिरोली जिले में बहुत अधिक मात्रा में बालमृत्यु हो जाती थी। इसका प्रमुख कारण निमोनिया था । डॉ. अभय बंग तथा डॉ. रानी बंग ने मिलकर निमोनिया का नियंत्रण तथा इलाज करने के लिए अनुसंधान किया । उनके इस प्रयास से इस इलाके के बालमृत्यु का प्रमाण कम हो गया ।

### ड. सामाजिक आंदोलन

समाज के लोगों को उनकी जरूरतें, उनके हक, अधिकारों और जिम्मेदारियों का एहसास कराके उन अधिकारों को प्राप्त करने के लिए जनजागृति करना, सामाजिक आंदोलन खड़ा करना सामाजिक बदलाव का एक मार्ग है।

## आओ सीखें ।

सामाजिक बदलाव के जो चार प्रकार हमने सीखे हैं, उनके और कुछ उदाहरण हम देखते हैं ।

| समाजसेवा | मूलभूत सुविधा | अनुसंधान | सामाजिक आंदोलन |
|---|---|---|---|
| अनाथाश्रम के अथवा वृद्धाश्रम के कामों में मदद करना। | लोगों के सहकार्य से रास्ते की मरम्मत | खेती के उपयुक्त औजारों का निर्माण करना। | गलत रूढ़ियों-परंपराओं के विरुद्ध सामाजिक आंदोलन शुरू करना । |
| शालाबाह्य बच्चों को विद्यालय में ले आना। | जलसंधारण | नई दवाइयाँ और रोगप्रतिबंधक टीकों को खोजना। | हवा तथा पानी का प्रदूषण कम करने के लिए जनआंदोलन शुरू करना। |
| खाई-पहाड़ी, देहाती इलाकों में दवाइयाँ और स्वास्थ्य की सेवा पहुँचाना। | सार्वजनिक शौचालय बाँधना। | सामाजिक समस्याओं के कारणों का अनुसंधान। | जलसाक्षरता आंदोलन का प्रारंभ करना। |
| जिन बच्चों को पुस्तकें और कपड़े उपलब्ध नहीं हैं, उन्हें उपलब्ध करा देना। | कूड़ा व्यवस्थापन | शिक्षा क्षेत्र में आधुनिक तंत्रज्ञान का इस्तेमाल हो, इसलिए अनुसंधान। | यातायात के नियमों का पालन। |
| | | | |

अंतिम खाली चौखट में आपको मालूम चारों मार्गों के उदाहरण लिखिए। आपकी कॉपी में सारिणी तैयार करें।

आपके इलाके में सामाजिक कार्य करने वाली कुछ संस्थाएँ अथवा व्यक्तियों की सूची तैयार करें।

## ४. एक की सामर्थ्य

कोई सामान्य व्यक्ति जबरदस्त इच्छाशक्ति अथवा ध्येय से प्रेरित होकर और कठिन परिश्रम से अपने इलाके में अथवा पूरी दुनिया में महत्त्वपूर्ण बदलाव ला सकता है। नीचे कुछ उदाहरण दिए हैं।

सामाजिक बदलाव लाने के लिए जिस व्यक्ति ने कठोर परिश्रम किए है ऐसे व्यक्ति ढूँढ़ने के लिए बच्चों को प्रेरित करें। उस व्यक्ति के बारे में संक्षिप्त जानकारी कॉपी में लिखने के लिए कहें तथा कक्षा में प्रस्तुत करें।

**मलाला युसुफजई** इसे सिर्फ पंद्रह वर्ष की आयु में नोबल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पाकिस्तान के उत्तर पश्चिम इलाके के विद्यालय में लड़कियों को पढ़ने के लिए तालिबान ने मना कर दिया था। तब उसने तालिबानी संगठन के इस प्रतिबंध को चुनौती दी। लड़कियों को शिक्षा का अधिकार और महिलाओं के सक्षमीकरण के लिए संघर्ष किया।

बिहार राज्य में गेहलोर यह एक छोटा-सा गाँव है । इस गाँव के लोगों को पासवाले गाँव में जाने के लिए रास्ते में काफी पथरीले पहाड़ को पार करके जाना पड़ता था। घूमकर जाने में 50 किमी पैदल चलना पड़ता था। लोगों के कष्ट को देखकर इस गाँव के **दशरथ मांझी** ने छेनी और हथौड़ा लेकर उस पहाड़ को तोड़ना शुरू किया। तब गाँव के लोग हँसी उड़ाने लगे। लोग दशरथ से कहते थे कि अकेले पहाड़ खोदना संभव नहीं है। लोगों की टिप्पणी से निराश न होते हुए उन्होंने अपना काम जारी रखा। बाईस वर्ष की निरंतर मेहनत से उस पहाड़ से रास्ता खोदने में उन्हे सफलता प्राप्त हुई।

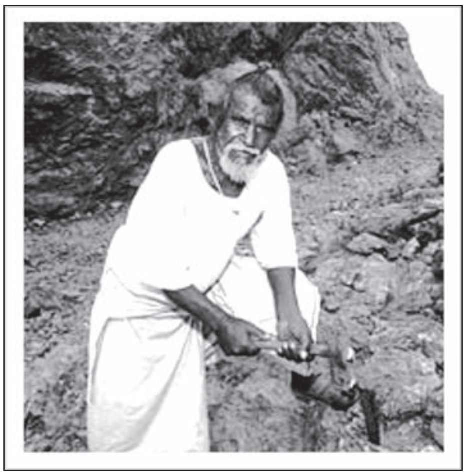

कूड़ा व्यवस्थापन और सुलभ शौचालय बाँधने के सामाजिक कार्य के लिए **बिंदेश्वर पाठक** का नाम जरूर लिया जाता है। उन्होंने 'सुलभ इंटरनैशनल' संस्था शुरू की। सार्वजनिक जगहों पर शौचालय उपलब्ध न होने के कारण नागरिकों को विशेषतः महिलाओं को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। लोगों की समस्याओं को दूर करने के लिए बस अड्डा, उद्यान, मंडी, ऐसी सार्वजनिक जगहों पर 'सुलभ' संस्था ने शौचालय बाँधे। भारत सरकार ने बिंदेश्वर पाठक को 'पद्मभूषण' राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया।

## ५. स्व: बदलाव का प्रकल्प

''दूसरे व्यक्ति में जो बदलाव आप चाहते हैं वह सबसे पहले खुद में लाए और वैसे आचरण करें'' - महात्मा गांधी।

- जब समाज में कोई परिवर्तन आप चाहते हैं तब वह सबसे पहले खुद में करना पड़ता है।
- अगर आप खुद में परिवर्तन करते हैं तब ही वह परिवर्तन दूसरों में लाने के लिए आत्मविश्वास के साथ कह सकते हैं।
- व्यक्ति के बदलाव की यह योजना हर एक व्यक्ति को खुद पूरी करनी चाहिए।
- स्वयं में किस प्रकार परिवर्तन ला सकते हैं इसके मार्गदर्शन करने वाले कुछ चरण निम्न उदाहरण में दिए हैं।

स्वयं में बदलाव के एक प्रकल्प का उदाहरण दिया है। विद्यार्थियों को अर्थपूर्ण तथा महत्वपूर्ण लगे ऐसी एकाध सामाजिक बदलाव की योजना का नियोजन करने की स्वतंत्रता दें। इस योजना को आचरण में लाने के लिए जो पर्याय, उदाहरण में दिए हैं वे सिर्फ मार्गदर्शन के लिए हैं। बदलाव की योजना विद्यार्थी खुद के लिए चुनेंगे। उसे उनको एक महीने तक चलानी है। उसका अहवाल (रिपोर्ट) कॉपी में लिखनी है।

**शीर्षक :** घर के प्लास्टिक तथा कागज का प्रयोग कम करना।

१ **समस्या का स्वरूप**
घर का निरोपयोगी कागज तथा प्लॉस्टिक का कचरा कम करना।

२ **समस्या का अनुपात**
घर में इकट्ठा होने वाले कचरे का अनुपात निश्चित करने के लिए बाल्टी पर १/४, १/२, ३/४, पूरी भरी हुई ऐसा निशान बनाएँ। पाँच दिन रोज बाल्टी में कितना कचरा इकट्ठा हुआ इसकी टिपण्णी रखना।

३ **विचारमंथन**
किस प्रकार के कागज तथा प्लॉस्टिक कचरे में जा रहे हैं इसकी सूची बनाना। उदा. अनाज, सब्जी, खाद्य पदार्थों की खाली प्लॉस्टिक थैलियाँ, चॉकलेट का कवर, फटे हुए कागज, कागज की थैली आदि।

४ **पर्यायी मार्ग ढूँढ़ना**
प्लॉस्टिक तथा कागज की कौन-सी चीजें आप कूड़ादान में डालना टालते हैं? कैसे? क्यों? इसका पर्याय क्या?

५ प्लास्टिक और कागज का कचरा कम करने के लिए जो उपाय आपको सूझे हैं, वे कम-से-कम एक सप्ताह तक करके देखिए।

६ इन सात दिनों में कूड़ादान कितना भर गया है इसकी टिपण्णी रखें। अगर कचरे की सतह में कुछ भी असर नहीं हुआ है तो फिर से तीसरे मुद्दे पर जाकर भिन्न पर्याय के बारे में विचार करें। लेकिन कचरे का प्रमाण थोड़ा भी कम दिखाई दे रहा है तो समस्या सुलझाने का आपका प्रयास सही दिशा में चल रहा है, ऐसा मानकर यह बदलाव शुरू रखें।

७ **प्रकल्प अहवाल (रिपोर्ट)**
समस्या सुलझाने के लिए संपूर्ण प्रक्रिया के अनुभव की टिपण्णी अपनी कापी में करें।

## स्व–बदलाव करने के लिए कुछ प्रकल्प

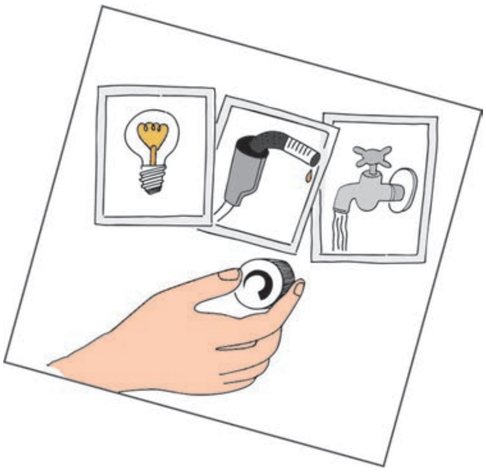

हर महीने बिजली, पानी, पेट्रोल
आदि का प्रयोग कम करें।

रोज एक घंटा घर के कामों में मदद करके अन्य सदस्यों के काम का बोझ कम करना।

रोज एक घंटा पढ़ना तथा लिखना सिखाएँगे।

जिस विषय में आप कमजोर पड़ रहे हैं उस विषय की तैयारी ज्यादा करना ।

रोज एक घंटा भाई – बहन को पढ़ाई में मदद करना।

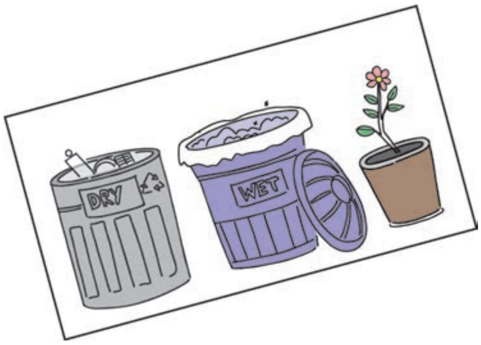


घर के गीले तथा सूखे कूड़े के लिए अलग कूड़े के डिब्बे तैयार करना। गीले कूड़े से सेंद्रीय खाद तैयार करना।

## ६. सामाजिक परिवर्तन–प्रकल्प

स्वयं में बदलाव की कल्पना, सफलता से कार्यान्वित करने से आपका आत्मविश्वास बढ़ा होगा। अब बदलाव का दृष्टिकोण थोड़ा व्यापक करते हैं।

अपने आसपास के सामाजिक प्रश्न तथा समस्याएँ आपके ध्यान में आई होंगी तो परिस्थिति को किस प्रकार बदल सकते हैं, इसके बारे में सोचें। सामाजिक बदलाव लाने के लिए प्रकल्प के कुछ चरण नमूने के रूप में दिए हैं, उन्हें अभ्यासपूर्ण ढंग से पढ़े।

> विद्यार्थियों के गुट करके सामाजिक बदलाव के प्रकल्प करने के लिए बताएँ। इस प्रकल्प के लिए तीन महीने का समय दें। इस प्रकल्प के लिए आसपास की सामाजिक समस्याएँ चुनें । यह समस्या सुलझाने के लिए आवश्यक साधन साम्रगी उपलब्ध है या नहीं ये देखें और समाज के प्रत्यक्ष सहभाग की आवश्यकता के बारे में मार्गदर्शन करें।

**पहला चरण : सामाजिक समस्या का चुनाव**

● सामाजिक बदलाव लाने के लिए समस्या का चुनाव ध्यान से करना। क्या आप को याद है कि दूसरों की वेदनाओं से आप कभी अस्वस्थ हुए हैं।

● क्या किसी घटना या प्रसंग को देखकर आपकी आँखों से पानी आया था? क्या वह समस्या सुलझाने के लिए आप कुछ मदद कर सकते हैं, ऐसा आपको लग रहा है?

● इस पद्धति से अगर आप समस्या का चयन नहीं कर पा रहे हैं तो आपके आसपास के परिसर में रहने वाले किसी मित्र के घर जाकर उनकी समस्याओं के बारे में प्रश्न पूछें। उनकी समस्याएँ समझ लें। इस साक्षात्कार से आप जिन समस्याओं को समझ रहे हैं उनकी सूची बनाएँ।

**दूसरा चरण : बदलाव करने के लिए समस्या को तय करना।**

● आपके इलाके में समस्याओं की जो सूची बनाई है उनके बारे में खुद से सवाल पूछा करें।

१. क्या आपकी दृष्टि से यह समस्या काफी बड़ी लग रही है? जैसे : गाँव के सभी लोगों को शिक्षित करना। वैसी ही वह समस्या काफी छोटी ना हो । जैसे घर के पिछवाड़े में एक पेड़ लगाना।

२. क्या यह बदलाव लाने के लिए लगने वाला पैसा और मानवीय सहायता आपका गुट कर सकता है?

३. इस बदलाव के लिए जो कौशल, जानकारी आवश्यक है, क्या वह आपके गुट के पास है? जो बदलाव आप करना चाहते हैं क्या उसे नापा जा सकता है?

**तीसरा चरण : समस्या को स्पष्ट शब्दों में प्रस्तुत करना।**

● समस्या और उसके संबंध में निश्चित की हुई कृति को स्पष्ट शब्दों में प्रस्तुत करना। उदा. अपने परिसर में निरक्षरता की समस्या ज्यादा अनुपात में है। उस संबंध में हमारे गुट ने पाँच लोगों को साक्षर बनाने का निर्णय लिया है। जिसमें उनको सरल वाक्य पढ़ने–लिखने आने चाहिए। हर एक गुट इसी प्रकार की संरचना करेगा । उदा.... यह समस्या है। उसके संबंध में हम ..... करने वाले हैं। इसलिए ...... होना चाहिए।

**चौथा चरण : समस्या सुलझाने के मार्ग**

● आपके द्‌वारा चुनी हुई समस्या को सुलझाने के लिए उस संबंध में तज्ञ व्यक्ति तथा अभिभावकों के साथ बात करके उनका मार्गदर्शन लें। गुट के सभी विद्‌यार्थियों के ध्यान में आई समस्याओं को सुलझाने की कल्पनाएँ समझ लें । अध्यापक तथा अभिभावकों के साथ इस विषय को लेकर बात करें। उदा. समस्या को सुलझाने के लिए अर्थात निरक्षर प्रौढ़ साक्षर करने के लिए निम्नांकित पर्यायों का विचार करें ।

१. उन प्रौढ़ों को पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।

२. उन प्रौढ़ों को उनके समय के अनुसार गुट के अन्य विद्‌यार्थी पढ़ाएँगे।

आपने किन्हे साक्षर करने का निश्चय किया है और उनके लिए कौन-सा मार्ग चुना है इस पर आपके पर्यायी मार्ग का चुनाव निश्चित होगा।

**पाँचवाँ चरण : योजना प्रस्तुत करना**

● चुनी हुई समस्या को सुलझाने के लिए कृति का प्रारुप तैयार करना।

● कक्षा के सभी विद्‌यार्थियों को आपकी योजना समझा देना। इसपर अन्य विद्‌यार्थियों की प्रतिक्रियाएँ जान लेना।

**छठा चरण : समस्या को सुलझाने के लिए प्रत्यक्ष कृति**

● यह बात थोड़ी कठिन है।

● आपकी योजना के अनुसार प्रत्यक्ष कृति में कुछ मुसीबतें आ सकती हैं। समय पर आपको उन रुकावटों को दूर करने के लिए मार्ग ढूँढ़ना पड़ता है।

● इन रुकावटों को दूर करने के लिए जरूरत हो तो अध्यापक तथा अभिभावकों की मदद लें।

**सातवाँ चरण : कितना बदलाव हुआ उसका मापन**

● समस्याओं के संदर्भ में कुछ विधायक परिवर्तन करने में क्या आप सफल हुए हैं?

● आपने जिस स्थिति से सामाजिक बदलाव के लिए प्रयास किया उसमें थोड़ा भी सुधार दिखाई दिया तो वह आपकी सफलता है ।

● अगर संभव है तो बदलाव को नापें अथवा शब्दों में वर्णन करें।

● अगर कुछ भी बदलाव नहीं हुआ है, तो क्या गलती हो गई, इसका कारण ढूँढ़ें।

**आँठवा चरण : बदलाव की लिखित रिपोर्ट तैयार करना**

● गुट की समस्याएँ सुलझाने के लिए अथवा परिस्थितियों में बदलाव लाने के लिए आपके गुट ने जो काम किया उसके फोटो निकालें।

● आपके काम के कारण उन लोगों को क्या और कैसे लाभ हुआ, यह उनसे ही जान लेना।

● फोटो, अन्य सबूत और लिखित अभिप्राय प्रकल्प कॉपी में चिपकाएँ।

**नौवाँ चरण : अपनी पीठ थपथपाना**

● सामाजिक बदलाव कितना हुआ इसकी अपेक्षा आपने सामाजिक प्रश्नों के बारे में समझदारी से जो कृति की है वह बहुत प्रशंसनीय है।

● सामाजिक बदलाव का काम अगर आपने पूरी क्षमता से किया है तो स्वयं की और अपने गुट की पीठ थपथपाकर प्रशंसा कीजिए।

नीचे कुछ सामाजिक बदलाव के लिए नमूना प्रकल्प दिए गए हैं। उनमें से कुछ प्रकल्प चुनने की स्वतंत्रता आपको है।

१. विद्‌यालय के स्वच्छतागृह की स्थिति में सुधार लाना।

२. नियमित रूप से पाठशाला का परिसर साफ रखने की व्यवस्था करना।

३. विद्‌यालय के परिसर में वृक्षारोपण करके उनकी देखभाल करना।

४. अपने मुहल्ले के अथवा इमारत के कचरे का वर्गीकरण करके गीले कचरे से खाद निर्मिति करना।

५. अपने आसपास के किसी अशिक्षित व्यक्ति को पढ़ना-लिखना सिखाना।

## मेरा प्रमाणप्रत्र

बदलाव के लिए योजना शुरू करने से लेकर काम पूरा होने तक आपको जो अनुभव आए और उसमें किस प्रकार सफलता प्राप्त हुई, इसका स्वयं के लिए प्रमाणपत्र तैयार करना । उसमें आपकी मेहनत और प्रयास की प्रशंसा करना।

## मूल्यांकन

| भारांश – २०% | | | | |
|---|---|---|---|---|
| **कसौटी** | **उत्तम (बहुत अच्छा)** | **सही (संतोषजनक)** | **अनुचित (असंतोषजनक)** | **अंक** |
| स्वयं के बदलाव का प्रकल्प प्रस्तुत करना। | स्वयं के सामर्थ्य को पहचान कर बदलाव का प्रकल्प पूरा किया। प्रकल्प को स्पष्ट शब्दों में प्रस्तुत किया। संबंधित प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर दिए। | स्वयं के बदलाव का प्रकल्प पूरा किया। | स्वयं के बदलाव के प्रकल्प की जानकारी काफी ऊपरी तौर से दी, विचार स्पष्ट नहीं हैं। | |
| सामाजिक बदलाव का प्रकल्प पूरा करना। | सामाजिक बदलाव का प्रकल्प प्रामाणिकता से पूरा किया। प्रकल्प को स्पष्ट शब्दों में प्रस्तुत किया। संबंधित प्रश्नों के उत्तर संतोषजनक दिए । फोटो अथवा समुदाय की लिखित प्रतिक्रिया प्रस्तुत करके सामाजिक बदलाव का प्रमाण दिया। | सामाजिक बदलाव का प्रकल्प प्रामाणिकता से पूरा किया। प्रकल्प को स्पष्ट शब्दों में प्रस्तुत किया। संबंधित प्रश्नों के उत्तर संतोषजनक दिए। लेकिन सामाजिक बदलाव के प्रमाण के रूप में फोटो और समुदाय की लिखित प्रतिक्रियाएँ प्रस्तुत नहीं की। | सामाजिक बदलाव के प्रकल्प के बारे में स्पष्टता नहीं है। सामाजिक बदलाव के लिए कौन-सी कृति, कैसे और क्यों की, यह स्पष्ट नहीं है। | |

धैर्यधर क्या तुझमें कुछ भी कमी नहीं है ?
है ना! एक बात है जो मैं इतने सालों में नहीं सीखा हूँ।
चलो! कुछ तो मिल गया। क्या है वह?
कला निर्माण करना तथा उसका रसास्वाद लेना ।
तुम्हारी दृष्टि से तुम्हे यह नहीं आता?
(मायूस होकर) दुर्भाग्य! मैं धैर्यशील बनने में इतना व्यस्त था कि पहले मानव बनना चाहिए यही भूल गया था।
अपने आसपास की कला के साथ जुड़ जाना यह मनुष्य के लिए काफी बड़ी देन है? क्या हम दोनों मिलकर यह सीखें? तुम्हें क्या लगता है?